Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding felicitation to all agencies dealing with COVID-19.

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, कल एक ऐसा स्पिरिट दिन था, जब देश में न कोई राजनीतिक मतभेद था, न कोई मत भिन्नता थी, न कोई पंथ, न कोई सम्प्रदाय, न कोई अमीर था, न कोई गरीब था । सारा हिन्दुस्तान एक था । कल शाम को 5 बजे हम सब ने जो देखा, वह भारत की आत्मा थी । माननीय प्रधान मंत्री जी के प्रेरक प्रयासों से सम्पूर्ण देश एकजुट था । उनके आह्वान पर यह देश इस महामारी से निपटने के लिए एकजुट दिखा । सम्पूर्ण देश में सभी डॉक्टरों, नर्सों, स्वास्थ्य कर्मियों, सफाई कर्मियों, एयरपोर्ट के कर्मचारियों, पुलिस कर्मियों, मीडिया ने जिस तरीके से सेवाएँ प्रदान कीं, उसके लिए हम सब उनका अभिवादन करते हैं । हमने यह भी देखा कि माननीय राष्ट्रपति जी, उप राष्ट्रपति जी ने ताली बजा कर कृतज्ञता प्रकट की । हमारे सदन के नेता, कांग्रेस सदन के नेता, चाहे अधीर रंजन जी की पुत्री हों, चाहे छोटे-छोटे बच्चे हों, चाहे नवीन पटनायक जी मुख्य मंत्री हों, चाहे शरद पावर जी हों, चाहे उद्धव ठाकरे जी हों, कई राज्यों के मुख्य मंत्रियों ने तालियाँ बजा कर अभिवादन किया और इन प्रयासों की सभी लोगों ने उन महान कर्मियों को सम्मानित करने के लिए आभार व्यक्त किया । मैं चाहूँगा कि सदन एक बार खड़ा होकर तालियाँ बजा कर उनका अभिवादन करे ।

(तत्पश्चात् सभी माननीय सदस्यों ने खड़े होकर एवं तालियाँ बजा कर अभिवादन किया)

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : सदन के सभी माननीय सदस्य, हम सब इस महामारी की लड़ाई में उनके साथ हैं ।

मैं यह भी आग्रह करना चाहता हूं कि हम सब यहां पर अपने-अपने क्षेत्रों में जा रहे हैं तो हमें ऐसे प्रयास करने चाहिए कि सभी, केन्द्र और राज्य सरकार, जिला प्रशासन के कानूनों का अक्षरश: पालन करें । हम स्वयं अनुशासित होकर उसका पालन करें । इन नियमों का कठोरता से पालन करने में जनता का सहयोग भी करें क्योंकि इस महामारी को रोकने का एकमात्र उपाय सोशल डिस्टैंसिंग बनाना है । अपने पास किसी प्रकार का नकारात्मक माहौल न बने, सकारात्मक रह कर हम इस चुनौती का सामना एक परिवार के रूप में कर सकते हैं, इस वायरस को रोक सकते हैं ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अब हो गई बात । प्लीज, बैठ जाइए ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): सर, हमें बोलने नहीं दिया गया ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपने सभी बातें बोल दी हैं । आपकी भावनाओं से सदन अवगत हो चुका है ।

…(व्यवधान)